राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर
Bachelor of Commerce (B. Com.) Part 1 & 2
Semester 1 to 4
(२०२२-२३ पासून लागू)
मराठी

अभ्यासक्रमाचा उद्देश आणि परिणाम :

१. मराठी भाषेच्या समृद्धीची जाणीव करून देणे.
२. विद्यार्थ्यांमध्ये भाषा कौशल्याचा विकास करणे आणि त्यातून रोजगाराच्या संधींचा शोध घेणे.
३. भाषेचा जीवन व्यवहारात योग्य पद्धतीने वापर करण्याचा प्रयत्न करणे.
४. संत साहित्याच्या शिकवणुकीमुळे मानवता आणि मानवी व्यवहाराची सांगड घालणे, नैतिक मूल्ये रुजविणे.
५. विद्यार्थ्यांना रोजगाराभिमुख बनविणे.

सत्र-१

अभ्यासक्रम

१. पाठ्यपुस्तक : **शब्दसाधना - भाग १**
२. रोजगाराभिमुख मराठी - व्यावहारिक कौशल्ये

अनुक्रमणिका

Unit - I : गद्य विभाग

१.	भारतीय लोकशाहीचे भवितव्य काय?	- *डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर*
२.	काळी आई	- *व्यंकटेश माडगूळकर*
३.	संत तुकारामांचे अभंग	- *निर्मलकुमार फडकुले*
४.	माझी शाळा	- *प्रकाश खरात*
५.	समतेचे वारकरी : संत गाडगेबाबा आणि राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज	- *अशोक राणा*
६.	लोककल्याणकारी राजा : छत्रपती शाहू महाराज	- *शरयू तायवाडे*

Unit - II : पद्य विभाग

१.	ज्ञानेश्वरांचे अभंग	- *संत ज्ञानेश्वर*
२.	वनसुधा	- *वामन पंडित*
३.	नवा शिपाई	- *केशवसुत*
४.	मेंढरं	- *विठ्ठल वाघ*
५.	पोरी	- *अनुराधा पाटील*
६.	गाव	- *हेमंतकुमार कांबळे*

Unit - III : व्यावहारिक मराठी

१. म्हणी
२. मुलाखतलेखन - *डॉ. वैशाली धनविजय*

Unit - IV : रोजगाराभिमुख मराठी - व्यावहारिक कौशल्ये

१. प्रत्यक्ष मुलाखत कौशल्य
२. वाचन कौशल्य - (अ) बातमी वाचन (ब) कथा वाचन

25.7.22

सत्र – २

अभ्यासक्रम

१. पाठ्यपुस्तक : **शब्दसाधना – भाग १**

२. रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

अनुक्रमणिका

Unit - I : गद्य विभाग

१. आमची एक दुष्ट खोड : आळस – *गोपाळ गणेश आगरकर*

२. शील बनविणारे शिक्षण – *स्वामी विवेकानंद*

३. मनुष्याचा देव आणि विश्वाचा देव – *वि. दा. सावरकर*

४. डॉ. पंजाबराव देशमुख – *वि. भि. कोलते*

५. नातं – *वि. स. जोग*

६. रुपी – माझी साक्ष! – *मोहन नाईक*

Unit - II : पद्य विभाग

१. एकनाथांची भारुडे – *संत एकनाथ*

२. दण्कट दंडस्नायू जैसे – *बा. सी. मर्ढेकर*

३. माय – *वामन निंबाळकर*

४. पुतळे – *वसंत आबाजी डहाके*

५. उद्घोष – *प्रसेनजीत गायकवाड*

६. जागर – *लखनसिंह कटरे*

Unit - III : व्यावहारिक मराठी

१. वाक्प्रचार

२. जाहिरातलेखन – *डॉ. अजय देशपांडे*

Unit - IV : रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

१. समाज माध्यमातील शिष्टाचार

२. ऑनलाईन कौशल्य – (अ) ग्राहक सेवा केंद्राशी संवाद, (ब) ऑनलाईन अर्ज करणे

25.7.22

सत्र – ३

अभ्यासक्रम

१. पाठ्यपुस्तक : **शब्दसाधना – भाग २**

२. रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

अनुक्रमणिका

Unit - I : गद्य विभाग

१. विंझीं गोंडवाडां अवस्थान – *म्हाइंभट*

२. शेती सुधारणाविषयक विचार – *जोतीराव फुले*

३. अखेरचे वक्तव्य – *वासुदेव बळवंत फडके*

४. भारतीय स्त्रीत्वाचे गाणे सावित्री – *पु. भा. भावे*

५. मरीआईचा गाडा – *अण्णा भाऊ साठे*

६. पुस्तक चोरून शाळा शिकली – *अशोक पवार*

Unit - II : पद्य विभाग

१. संत कवयित्रींची अभंगवाणी – *संत जनाबाई, संत मुक्ताबाई, संत बहेणाबाई*

२. निश्चयाचा महामेरु – *समर्थ रामदास*

३. नववधू, प्रिया मी... – *भा. रा. तांबे*

४. सारेच दीप कसे मंदावले आता – *अनिल*

५. सोनं होऊन उगावं – *सदानंद देशमुख*

६. विश्वाचे नवल – *आ. य. पवार*

Unit - III : व्यावहारिक मराठी

१. वृत्त संपादन – *प्रभाकर कोंडबत्तुनवार*

२. शुद्ध शब्द

Unit - IV : रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

१. प्रकल्प – माहितीचे विश्लेषण (डाटा इंटरप्रिटेशन)
(अ) सर्वेक्षण, (ब) तक्ता विवरण (क) GPS मार्गदर्शिका नकाशा अवलोकन आणि विश्लेषण

२. वक्तृत्व कौशल्य

25-7-22

सत्र–४

अभ्यासक्रम

१. पाठ्यपुस्तक : **शब्दसाधना – भाग २**
२. रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

अनुक्रमणिका

Unit - I : गद्य विभाग

१. खरे विद्यापीठ कोणते? – *लोकमान्य टिळक*
२. संस्कार – *वामन चोरघडे*
३. नक्षत्रांचे देणे – *श्रीनिवास ठाणेदार*
४. बिल्वा – *सुप्रिया अय्यर*
५. श्रीकृष्ण : बहुआयामी व्यक्तिमत्त्व – *श्याम मोहरकर*
६. यमाजीची गोष्ट – *संजय बोरुडे*

Unit - II : पद्य विभाग

१. तीन अभंग – *संत सेना न्हावी*
२. द्यावे ज्ञान मला – *पठ्ठे बापूराव*
३. दैवजात दुःखें भरतां... – *ग. दि. माडगूळकर*
४. कष्टाचें गीत – *शरच्चंद्र मुक्तिबोध*
५. जीजामाता – *मिर्झा रफी अहमद बेग*
६. पाखरु ... – *लक्ष्मीकमल गेडाम*

Unit - III : व्यावहारिक मराठी

१. इंटरनेट आणि मराठी भाषा – *डॉ. नंदकुमार मोरे*
२. इंग्रजी शब्दसंक्षेप व मराठी शब्दविस्तार

Unit - IV : रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

१. PPT (पॉवर पॉइंट प्रेझेंटेशन)
२. ऑनलाईन कौशल्य – (अ) ऑनलाईन व्यवहार, (ब) संकेतस्थळ (वेबसाईट) विश्लेषण

25.7.22

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर
Bachelor of Commerce (B. Com.) Part 1 & 2
Semester 1 to 4

(२०२२-२३ पासून लागू)

मराठी

अभ्यासक्रम

१. पाठ्यपुस्तक : **शब्दसाधना – भाग १ व २ (सत्र १ ते ४)**
२. रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये

प्रश्नपत्रिकेचे स्वरूप

वेळ : ३ तास) **(एकूण गुण : ८०**

प्रश्न १ – गद्यावर आधारित दीर्घ प्रश्न

किंवा

गद्यावर आधारित दीर्घ प्रश्न १०

प्रश्न २ – पद्यावर आधारित दीर्घ प्रश्न

किंवा

पद्यावर आधारित दीर्घ प्रश्न १०

प्रश्न ३ – खालीलपैकी कोणत्याही एका गटातील सर्व प्रश्न सोडवा.

अ गट – गद्यावर आधारित चार प्रश्न

किंवा

ब गट – गद्यावर आधारित चार प्रश्न १६

प्रश्न ४ – खालीलपैकी कोणत्याही एका गटातील सर्व प्रश्न सोडवा.

अ गट – पद्यावर आधारित चार प्रश्न

किंवा

ब गट – पद्यावर आधारित चार प्रश्न १६

प्रश्न ५ – अ. खालीलपैकी कोणत्याही एका गटातील सर्व प्रश्न सोडवा.

१. व्यावहारिक मराठी
२. व्यावहारिक मराठी
३. व्यावहारिक मराठी

किंवा

१. व्यावहारिक मराठी
२. व्यावहारिक मराठी
३. व्यावहारिक मराठी १२

ब. खालील बहुपर्यायी प्रश्नापैकी योग्य पर्याय निवडा. १६

रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये यावर बहुपर्यायी ८ प्रश्न

गुणांचे विभाजन

गद्य विभाग	–	२६
पद्य विभाग	–	२६
व्यावहारिक मराठी	–	१२
रोजगाराभिमुख मराठी – व्यावहारिक कौशल्ये	–	१६
एकूण गुण	–	८०

(**अंतर्गत मूल्यमापन :** उपस्थिती – ५ गुण, गृहपाठ ५ गुण, वाचन कौशल्य ५ गुण, मौखिकी ५ गुण = एकूण २० गुण)

25.7.22

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार

वाणिज्य प्रथम वर्ष सत्र – १

'अनिवार्य हिंदी' पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

पाठ्यक्रम-उद्देश्य (OBJECTIVES) :

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास |
- विद्यार्थियों पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग करना |
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर अवगत कराना |
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित कराना |
- विद्यार्थियों को आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम बनाना |

कार्यक्रम फलश्रुति (PROGRAMME OUTCOMES)

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा |
- विद्यार्थी पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग होंगे |
- विद्यार्थी एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के स्वरूपगत अंतर से अवगत होंगे |
- विद्यार्थी हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित होंगे |
- आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम होंगे |

पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकायों का अध्ययन करने पर विद्यार्थी –

- पौराणिक अथवा ऐतिहासिक घटनाओं को तार्किक आधार पर स्वीकार करेंगे |
- अपने परिवेश के उचित और अनुचित व्यवहारों के प्रति आकलन शक्ति बढ़ेगी |
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर बताने में सक्षम होंगे |
- कविता का रसास्वादन करने में समर्थ होंगे |
- 'अनुवाद' के स्वरूप एवं प्रक्रिया से अवगत होंगे |
- 'मार्गिक नक़्शे' का दैनिक जीवन में उपयोग करने में सक्षम होंगे |

****

25.7.22

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र – १

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. भाईसाहब (कहानी) - प्रेमचंद
२. स्मृति (निबंध) - श्रीराम शर्मा
३. गिल्लू (रेखाचित्र) - महादेवी वर्मा
४. अभाव (कहानी) - विष्णु प्रभाकर
५. महाभारत की साँझ (एकांकी) - भारतभूषण
६. उखड़े खंबे (व्यंग्य)। - हरिशंकर परसाई

इकाई २ पद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. कबीर के दोहे - कबीरदास
२. ले चल यहाँ भुलावा देकर - जयशंकर प्रसाद
३. स्नेह-निर्झर बह गया है - सूर्यकांत त्रिपाठी "निराला"
४. प्रथम रश्मि - सुमित्रानंदन पंत
५. जीवन का झरना - आरसीप्रसाद सिंह
६. कविता के साथ - दामोदर खड़से

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. परिभाषिक शब्दावली (पाठ्यपुस्तक में वाणिज्य से संबंधित पारिभाषिक शब्दों का अंग्रेजी में हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अध्ययन अपेक्षित है।)

२. अनुवाद : अर्थ, परिभाषा, प्रक्रिया, प्रकार शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद के गुण इत्यादि।

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. वाचन कौशल्य (समाचार-वाचन, कहानी-वाचन)
२. मार्गिक नक्शा विश्लेषण (जी.पी.एस.)

25.7.22

वाणिज्य प्रथम वर्ष **अनिवार्य हिंदी** पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र – २ पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOME)

प्रस्तुत इकाइयों का अध्ययन करने पर विद्यार्थी –

- अंधविश्वासों को जानकर घटनाओं का कार्य-कारण भाव बताने में समर्थ होंगे |
- देशभक्ति, प्रेम और त्याग की वृत्ति से युक्त होंगे |
- प्रकृति-प्रेम भावों का उनमें संचार होगा |
- भूतकाल और वर्तमान काल का तुलनात्मक महत्त्व बता सकेंगे |
- मुहावरे और लोकोक्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे |
- सोशल मीडिया के शिष्टाचारों से अवगत होंगे |
- 'ऑनलाइन आवेदन करने में समर्थ होंगे |
- ग्राहक सेवा-केंद्र से संवाद साधने में सक्षम होंगे |

****

वाणिज्य प्रथम वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र २

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. प्रायश्चित (कहानी) - भगवतीचरण वर्मा
२. पाजेब (कहानी) - जैनेन्द्र कुमार
३. ब्रह्मराक्षस का शिष्य (कहानी) - गजानन माधव मुक्तिबोध
४. गपशप (निबंध) - नामवर सिंह
५. अफसर (व्यंग्य) - शरद जोशी
६. मोहन से महात्मा (रेडियो रूपक) - सुनील देवधर

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पलाश"

१. सब उन्नति को मूल - भारतेन्दु हरिश्चंद्र
२. पुष्प की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी
३. कलम और तलवार - रामधारी सिंह 'दिनकर'
४. वह दीप अकेला - अज्ञेय
५. बहुत दिनों के बाद - नागार्जुन
६. छाया मत छूना - गिरिजाकुमार माथुर

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. मुहावरे और लोकोक्तियाँ : पाठ्यपुस्तक में मुहावरे और लोकोक्तियाँ का अर्थ एवं वाक्य प्रयोग
२. विज्ञापन कला : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, शीर्षक का महत्त्व, विज्ञापन के प्रयोजन, सत्य, लक्ष्य, विज्ञापन की भाषा, अच्छे विज्ञापन के गुण इत्यादि।

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. सोशल मीडिया के शिष्टाचार
२. ऑनलाइन आवेदन, ग्राहक-सेवा केंद्र से संवाद

****

25.7.22

वाणिज्य द्वितीय वर्ष <u>अनिवार्य हिंदी</u> पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

पाठ्यक्रम-उद्देश्य (OBJECTIVES) :

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास ।
- विद्यार्थियों पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग करना ।
- विद्यार्थियों में विभिन्न संकटों और चुनौतियों को स्वीकारने की वृत्ति का विकास करना ।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के मध्य का अंतर अवगत कराना ।
- विद्यार्थियों को आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम बनाना ।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण शक्ति का विकास करना ।

कार्यक्रम फलश्रुति (PROGRAMME OUTCOMES) :

- विद्यार्थियों में देशभक्तिपरक एवं पारिवारिक मूल्यों का विकास होगा ।
- विद्यार्थी पर्यावरण-संरक्षण के प्रति सजग होंगे ।
- विभिन्न संकटों और चुनौतियों को स्वीकारने की वृत्ति उनमें विकसित होगी ।
- विद्यार्थी एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के स्वरूपगत अंतर से अवगत होंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप से परिचित होंगे ।
- विद्यार्थी आधुनिक प्रौद्योगिकी (तकनीक) का प्रयोग करने में सक्षम होंगे ।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण शक्ति का विकास होगा ।

25.7.22

पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकाई का अध्ययन करने पर विद्यार्थी -

- वन्य जीवन के पशुओं के प्रति संवेदनशील होंगे।
- परिवार में बड़ों के प्रति अपने दायित्व का बोध होगा।
- जीवन में पर्यावरण के घटकों का महत्त्व समझेंगे।
- एकांकी, कहानी, निबंध आदि विधाओं के कौशल्यपूर्ण वाचन में समर्थ होंगे।
- देश और देशभक्ति के वास्तविक स्वरूप को बता सकेंगे।
- कविता का रसास्वादन कर सकेंगे।
- पद संक्षिप्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।
- 'दृश्य' और 'श्रव्य' साक्षात्कार में तुलना कर सकेंगे।
- 'साक्षात्कार' लेने में सक्षम होंगे।

25.7.22

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार

वाणिज्य द्वितीय वर्ष अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम २०२२-२०२३

सत्र – ३

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- महात्मा गांधी — १. सच्ची सभ्यता कौनसी? (भेंटवार्ता)
- प्रेमचंद — २. बनमानुष की दर्दनाक कहानी (कहानी)
- दामोदर खड़से — ३. छड़ी (कहानी)
- हरीश नवल — ४. विक्रमार्क, बुढ़िया और सराय रोहिल्ला (व्यंग्य)
- मीरा कांत — ५. काग़ज़ी बुर्ज (एकल एकांकी)
- नीरज व्यास — ६. बिन पानी सब सून (व्यंग्य)

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- सूरदास — १. सूर के पद
- रहीम — २. रहीम के दोहे
- सोहनलाल द्विवेदी — ३. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती
- सुमित्रानंदन पंत — ४. वाणी
- कृष्णकुमार चौबे — ५. 'हिंदी' हिंद- हृदय की धड़कन
- सागर खादीवाला — ६. देशभक्ति की स्याही

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री

१. संक्षिप्तीकरण (पद-नाम)

२. साक्षात्कार: परिभाषा, उद्देश्य, सतर्कताएँ, सीमाएँ, प्रकार, महत्व ।
(इसकी सामग्री अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से तैयार की जाए।)

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

१. प्रकल्प तथ्य-सामग्री-विश्लेषण (प्रोजेक्ट डेटा-एनालिसिस)

२. प्रत्यक्ष साक्षात्कार

****

25.7.22

सत्र – ४

सत्र – ४ पाठ्यक्रम फलश्रुति (COURSE OUTCOMES)

प्रस्तुत इकाई का अध्ययन करने पर विद्यार्थी –

- चाटुकारिता और कर्मठता में अंतर बता सकेंगे |
- पारिवारिक रिश्तों की संवेदनशीलता के प्रति सजग हो सकेंगे |
- महाराष्ट्र के माध्यम से भारतीय-संस्कृति के वैशिष्ट्य को बता सकेंगे |
- प्रकृति और मानवीय मूल्यों के प्रति संवेदनशील होंगे |
- संस्था-संगठन की संक्षिप्तियों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे |
- 'जीवन-वृत्त' के प्रकारों को बता सकेंगे |
- अपना जीवन-वृत्त स्वयं तैयार कर सकेंगे |
- किसी एक घटक पर 'गति शब्द-चित्र' (पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन) तैयार कर सकेंगे |
- 'संकेत-स्थल' (वेबसाईट) का विश्लेषण (एनालिसिस) करने में सक्षम होंगे |

25.7.22

सत्र – ४

इकाई १ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' १. प्रतिक्रिया : एक जीवन कसौटी (निबंध)
- बरसानेलाल चतुर्वेदी २. चाटुकारिता भी एक कला है (व्यंग्य)
- विनोद रस्तोगी ३. बहू की विदा (एकांकी)
- मालती जोशी ४. बकुल ! फिर आना (कहानी)
- सुनील देवधर ५. महाराष्ट्र की सांस्कृतिक परंपरा (रूपक (फीचर) लेख)
- मीनाक्षी जोशी ६. 'मौन अभिव्यक्ति' दुनिया की सर्वश्रेष्ठ भाषा (यात्रा संस्मरण)

इकाई २ गद्य विभाग : पाठ्यपुस्तक : "पारिजात"

- बिहारी १. बिहारी के दोहे
- रामधारी सिंह 'दिनकर' २. जनतन्त्र का जन्म
- नागार्जुन ३. उनको प्रणाम !
- शिवमंगल सिंह 'सुमन' ४. चलना हमारा काम है
- मधुप पांडेय ५. माँ
- सरोज व्यास ६. सौरभ के फूलों...

इकाई ३ अन्य पाठ्य सामग्री 'विविध घटक'

१. संक्षिप्तीकरण (संस्था-संगठन के नाम)

२. जीवनवृत्त: परिभाषा, प्रारूप, विशेषताएँ, प्रकार ।

(इसकी सामग्री अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से तैयार की जाए।)

इकाई ४ कौशल्य आधारित घटक

घटक १ – गति शब्द-चित्र प्रस्तुति (पॉवर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन)

घटक २ – संकेत-स्थल विश्लेषण (वेबसाईट एनालिसिस)

****

मूल्यांकन पद्धति

<u>मूल्यांकन कुलांक</u> : अंक १००

<u>अंतर्गत मूल्यांकन</u> : अंक २०

(इसमें इकाई ४ पर आधारित घटकों की प्रात्यक्षिक परीक्षा / प्रकल्प कार्य निहित होगा |)

<u>लिखित परीक्षा</u> : ८०

- प्रत्येक इकाई पर १६ अंक रहेंगे |
- पहला प्रश्न : गद्य विभाग : दीर्घोत्तरी प्रश्न (२ में से १) अंक : १६
- दूसरा प्रश्न : पद्य विभाग : दीर्घोत्तरी प्रश्न (२ में से १) अंक : १६
- तीसरा प्रश्न : गद्य-पद्य विभाग : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह | इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं |) अंक : १६
- चौथा प्रश्न : इकाई ३ : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह | इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं |) अंक : १६
- पांचवा प्रश्न : इकाई ४ : लघूत्तरी प्रश्न (४-४ प्रश्नों के दो समूह | इनमें से किसी एक समूह के सारे प्रश्न हल करने हैं |) अंक : १६

****

प्रस्तावित -
द्वारा :

डॉ. ईश्वर सोमनाथे अध्यक्ष वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल	डॉ. सोनू जेसवानी सदस्य वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल	डॉ. गजानन पोलेनवार सदस्य वाणिज्य भाषा अध्ययन मंडल